

ICSE Solved Paper 2022 Semester-2

HINDI

Class-X

(Maximum Marks : 40)

(Time allowed : One and a half hours)

SECTION A is compulsory.

In SECTION B questions from any two books that you have studied to be answered.

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [].

SECTION A

(20 marks)

1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबन्ध लिखिए : [12]

- आज विश्व के अधिकांश देश हमारी भारतीय संस्कृति के उपहार 'योग' को अपना चुके हैं। जीवन में योग की अनिवार्यता तथा उस से मिलने वाले लाभों का वर्णन करते हुए अपने विचार लिखिए।
- वर्तमान समय में डिजिटल होना किसी वरदान से कम नहीं है। इसकी अच्छाइयाँ तथा बुराइयाँ बताते हुए एक प्रस्ताव लिखिए।
- यात्रा के दौरान कई बार कुछ ऐसे लोगों से मित्रता हो जाती है जो आजीवन स्मरणीय रहती है। ऐसी ही किसी सुखद यात्रा का वर्णन कीजिए जो आपकी यादों को आज भी सुख पहुँचाती है।
- ईमानदारी बरगद के पेड़ की तरह होती है जिसका प्रभाव देर से पड़ता है परन्तु चिरस्थायी होता है। उपर्युक्त कथन को स्पष्ट करते हुए ईमानदारी पर एक मौलिक कहानी लिखिए।
- नीचे दिए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर उसका परिचय देते हुए कोई लेख, घटना अथवा कहानी लिखिए जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए।



उत्तर (i)

योग—भारतीय संस्कृति का उपहार

योग भारतीय संस्कृति का एक ऐसा उपहार है जिससे सारा विश्व लाभान्वित हो रहा है। योग द्वारा शरीर, मन और आत्मा तीनों को ही नियंत्रित कर विकास के पथ पर आगे बढ़ा जा सकता है। शारीरिक और मानसिक दोनों को अनुशासित कर तनाव विचित्र्य को प्रबंधित करने में योग एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके साथ ही भिन्न-भिन्न प्रकार के आसनों द्वारा शरीर को सुंदर, सुडौल व सौष्ठव बनाने के साथ ही कई बीमारियों पर भी नियंत्रण पाया जा सकता है और रोगमुक्त लंबा व सुखी जीवन जिया जा सकता है। "स्वयं को बदलो तो यह जग बदलेगा, योग से सुखमय हर दिन निकलेगा।" नियमित योगाभ्यास करने से मानव आंतरिक शांति को प्राप्त कर पूरे दिन सक्रिय बना रह सकता है। योग करने के कारण मानव का शरीर लचीला बनता है जिससे रक्त संचार पूरे शरीर में अच्छी तरह से होता है जो कि शरीर के लिये बेहद महत्त्वपूर्ण है। आजकल के प्रदूषित व तनावपूर्ण जीवन को सुखमय बनाने हेतु योग एक वरदान के रूप में मानव जीवन को प्राप्त हुआ है जिसका समुचित उपयोग कर वह अपने व अपने आसपास के जनजीवन को भी प्रेरित कर सकता है।

योग के विभिन्न आसन जैसे—शीर्षासन, भुजंगासन, सर्वांगासन, धनुरासन, पद्मासन, सुखासन ये ऐसे आसन हैं जिन्हें नियमित रूप से करने पर बहुत अधिक लाभ पाए जा सकते हैं।

शीर्षासन से शीर्ष की ओर रक्त प्रवाह समुचित होने से दिमाग सुचारू और प्रभावी ढंग से कार्य करता है वहीं भुजंगासन व धनुरासन से पीठ से संबंधित बीमारियों से छुटकारा पाया जा सकता है। पद्मासन की स्थिति में बैठने पर रीढ़ की हड्डी स्वतः ही सीधी अवस्था में आ जाती है जिससे हमारी रीढ़ की हड्डी सीधी रहती है और कमर दर्द की शिकायत से निजात पायी जा सकती है। सुखासन की स्थिति में बैठकर भोजन करने पर भोजन सही तरीके से चयापचय की स्थिति में आ जाता है जिससे पेट संबंधित बीमारियाँ नहीं होतीं।

अतः योग एक ऐसी कला है जिससे मानव जीवन सुखी व समृद्ध बन सकता है और आत्मोन्ति के मार्ग पर अग्रसर होते हुए अपने जीवन को सफल बना सकता है।

(ii) डिजिटल होना—एक वरदान

डिजिटल इंडिया भारत सरकार द्वारा चलाया गया एक ऐसा अभियान है जिसमें हर सेवा को बेहतर व ऑनलाइन के माध्यम से नागरिकों को उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे देश तकनीकी रूप से डिजिटली सक्षम हो और नागरिक भी बेहतर सेवा प्राप्त कर तकनीकी माध्यमों में सक्षम व प्रगतिशील बन सकें, जिससे देश की तरक्की हो और वह निरंतर बढ़ता रहे, लेकिन कहा जाता है कि हर आधुनिक तरक्की अगर अपने साथ लाभ लेकर आती है तो साथ ही उसके साथ हानि भी जुड़ी होती है या यूँ कहें कि डिजिटल होना अर्थात् लाभ और हानि एक ही सिक्के के दो पहलू की तरह होते हैं।

लाभ

- (1) **समय की बचत**—जहाँ हम घंटों बाज़ार जाकर दुकानों में ढूँढ़कर अच्छी चीज़ों का चुनाव करने में वक़्त लगाते हैं वहीं डिजिटल सेवा के माध्यम से ऑनलाइन सारी चीज़ों को एक ही जगह पर प्राप्त कर चीज़ों को मन के मुताबिक चुनाव करके पाया जा सकता है जो समय की बचत भी करता है।
- (2) **भ्रष्टाचार में कमी**—कैशलेस की वजह से पैसों के लेन-देन का सारा रिकॉर्ड आनलाइन दर्ज़ हो जाता है जिससे भ्रष्टाचार की दर में कमी आई है और पैसे आसानी से ट्रांसफर होने के कारण समय भी बचता है। इसके साथ ही अगर आप पाये हुए सामान से संतुष्ट नहीं हैं तो दी हुई अवधि के अंतर्गत सामान भी लौटाकर मनचाही वस्तु पा भी सकते हैं।
- (3) **आसान ट्रांज़ेक्शन**—आज UPI की मदद से किसी को भी कभी भी किसी भी समय और जगह पर पैसों का ट्रांज़ेक्शन आसानी से हो जाता है। पहले घंटों लाइन में खड़े रहकर बैंक में इंतज़ार करना पड़ता था वहीं अब

ऑनलाइन के माध्यम से सारा कार्य जल्दी से हो जाता है। शहरी विभागों में लोगों को रेलवे टिकट, मूवी टिकट, एयर टिकट शॉपिंग, फूड ऑर्डर, किराना जैसे अनेक क्षेत्रों का लाभ उठाना आसान हो गया है। इसी तरह ग्रामीण क्षेत्रों में अब हर चीज़ आसान होती जा रही है।

हानि

- (1) **सस्ते इंटरनेट प्लान**—सस्ते इंटरनेट प्लान की वजह से इंटरनेट को एक्सेस करना बड़ा ही आसान होने के कारण लोग अमर्यादित रूप से इसका उपयोग कर रहे हैं जिससे मुख्यतः युवा पीढ़ी प्रभावित हो रही है।
- (2) **डिजिटल क्राइम**—अमर्यादित तरीके से इंटरनेट उपलब्ध होने के कारण हमारी युवा पीढ़ी सबसे अधिक प्रभावित हो रही है। कम्प्यूटर हैक करना, फोटो मॉर्फ करना, बैंक डिटेल् हैक कर संपत्ति को हड़प लेना ऐसी बहुत सारी गतिविधियाँ हैं जो आए दिन हम खबरों में पढ़ते हैं, जिससे कहीं-न-कहीं देश को भी नुकसान पहुँच सकता है।
- (3) **छोटे और मध्यम उद्योगों का नुकसान**—भारत में बहुत सारी आबादी ऐसी है जो तकनीकी शिक्षा में उतनी सक्षम नहीं है जिससे छोटे और मध्यम वर्ग के उद्योग चलाने वाले लोगों को भी हानि उठानी पड़ रही है। इस तरह अगर डिजिटल इंडिया के अपने फायदे भी हैं लेकिन अगर सही शिक्षा व जागरूकता से इसका उपयोग किया जाये तो यह सिर्फ़ लाभान्वित करेगा।

(iii) एक अविस्मरणीय यात्रा

हर यात्रा से हम कुछ न कुछ अविस्मरणीय लेकर लौटते हैं। उसी तरह मैं भी अपनी नैनीताल की यात्रा से एक अविस्मरणीय व्यक्ति से मिला और उनसे जीवन को ज़िन्दादिली से कैसे जिया जाता है यह सीखने का अवसर मिला।

नैनीताल में पहली बार जा रहा था और वहाँ की प्राकृतिक सौंदर्यता के बारे में बहुत कुछ सुना था और पाया भी वैसा ही। अत्यन्त सुंदर घाटियाँ, स्वच्छ सड़कें और वह ताल भी देखा जिसके नाम पर नैनीताल का नाम पड़ा लेकिन अपनी मनोरम यात्रा को शुरू करने के लिए हमने एक गाइड को चुना जो हमें नैनीताल के बारे में और अच्छे से बता सके। वह था 12 साल का एक लड़का बहुत ही समझदार, होशियार और बुद्धिमान भी। बातों ही बातों में पता चला कि उसके दिल में छेद है और उसके माता-पिता बहुत ही कोशिश कर रहे हैं कि उसका ऑपरेशन करवा सकें किंतु पिताजी कुछ खास पढ़े-लिखे न होने के कारण गाइड का ही कार्य करते हैं और घर का खर्च निकाल पाते हैं और मैं अपनी कमाई से अपने स्कूल की फीस भर पाता हूँ दिन भर में हमें टूरिस्ट लोगों से जो भी मिलता है रात में पढ़ाई करता हूँ, किंतु यह सब जानते हुए भी वह एक आशावादी लड़का था। जीवन के

प्रति उसका दृष्टिकोण देखकर हम यह सोचने पर मजबूर हो गए कि कहाँ हम शहरी लोग ज़रा-सी बात व बीमारी पर दुःखी होकर जीवन के प्रति उदासीन हो जाते हैं वहीं दूसरी तरफ़ यह 12 वर्ष का लड़का जो दिन-रात अपनी बीमारी की परवाह किए बिना कर्मठता से अपने सपने पाने को बेताब है। हमने जब उससे पूछा—कि आप अपने जीवन में क्या बनना चाहते हो? तब उसने कहा—मैं एक बड़ा डॉक्टर बनना चाहता हूँ और लोगों की सेवा करना चाहता हूँ। यह सुनकर कहीं—न—कहीं हम भावाविभूत हो गए और हमने उसकी मदद के हेतु कुछ अलग से पैसे देने चाहे किंतु उसने वह लेने से मना कर दिया और केवल मेहनताना लिया।

हमने नैनीताल तो देखा लेकिन उसके साथ ही जीवन के प्रति विपरीत परिस्थितियों में आशावादी बच्चे को भी देखा जिसने जीवन के प्रति हमारा दृष्टिकोण बदल दिया।

सच इससे ज़्यादा सुखदा यात्रा आज तक मैंने अपने जीवन में कभी नहीं की।

(iv) **ईमानदारी का पुरस्कार**

एक बार की बात है। एक आदमी सड़क से गुज़र रहा था। उसकी नज़र एक पोटली पर पड़ी। उस आदमी ने वह पोटली उठाई और राजा विक्रमादित्य के दरबार में पहुँचा और तब तेनालीराम ने उससे पूछा कि यह पोटली तुम्हें कहाँ मिली? तब उस आदमी ने कहा कि यह पोटली उसे सड़क पर मिली है न जाने किसकी होगी? मुझे यह मिली तो मैंने इसे यहाँ लाना उचित समझा ताकि जिसकी भी होगी उसे मिल जाएगी। उसी समय दरबार में एक और व्यक्ति इस शिकायत के साथ आया कि उसकी सिक्कों की पोटली किसी ने चोरी कर ली है।

तब तेनालीराम ने वह पोटली उठाकर कहा कहीं आपकी पोटली यह तो नहीं है। उस व्यक्ति ने पोटली से सिक्के निकालकर गिनते हुए यह कहा कि इसमें 50 सोने के सिक्के कम हैं। यह सुनते ही तेनालीराम ने कुछ सोचते हुए उस व्यक्ति से वह पोटली यह कहते हुए ले ली कि शायद यह पोटली आपकी नहीं है जब दरबार में पहुँचेगी तब आपको सूचित कर दिया जाएगा। तेनालीराम ने वह पोटली उस व्यक्ति को दे दी जिस व्यक्ति को वह पोटली सड़क पर पाई थी।

(v) **चित्र पर आधारित लेख**

चित्र में एक नन्हीं बालिका पौधा ज़मीन पर रोंपते हुए दिखाई दे रही है। जो कि आज के समय की नितांत आवश्यकता है। जिस तरह से मानव जंगल को काटकर घर बना रहा है उस तरह से वन्य पशुओं के साथ वह उनका घर छीनकर अर्थात् बलपूर्वक उन्हें कहीं और जाने को बाध्य कर रहा है जिसका बुरा परिणाम कहीं—न—कहीं

वह भुगत तो रहा है किंतु वह सचेत नहीं हो पा रहा है। वनों की कमी के कारण वर्षा का न होना, भीषण गर्मी का प्रकोप होना जिससे वातावरण में निरंतर बदलाव की स्थिति का निर्माण होना शामिल है, जिससे बीमारियों का पैदा होना तय है। इसके साथ ही पानी की कमी होने के लिए भी मानव ही ज़िम्मेदार है, क्योंकि वनों के कारण ही वर्षा होती है। वन के कारण ही बाढ़ जैसी स्थिति को टाला जाता है क्योंकि मिट्टी पेड़ की जड़ों को पकड़े रखती है जिससे पानी का वेग कम होने में सहायता मिलती है। जब पेड़ ही न होंगे तो बाढ़, सूखा व अकाल जैसी स्थिति पैदा होगी ही जिससे फसलें नहीं होंगी तो लोग अनाज के बिना भुखमरी के परिणाम को भी भुगतेंगे।

2. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए।** [8]

- (i) एक दिन आप किसी होटल में गए। वहाँ आपने बालश्रम होते हुए देखा। इसकी शिकायत करते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री को पत्र लिखिए।

अथवा

- (ii) आपकी बड़ी बहन डॉक्टर बनना चाहती है जिसके लिए वह ज़ोरों-शोरों से तैयारी कर रही है। उस परीक्षा में वह सफल हो जाए, ऐसी कामना करते हुए अपनी बड़ी बहन को पत्र लिखिए।

उत्तर

पत्र लेखन

- (i) सेवा में
महिला एवं बाल विकास मंत्री
दिल्ली
दिनांक— 11 मई 20xx
विषय—बाल श्रम की शिकायत हेतु पत्र।

महोदया,

मैं इस पत्र के माध्यम से आपका ध्यान होटलों में नाबालिग बच्चों से करवाए जा रहे श्रम की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। हालाँकि भारत में बाल श्रम रोकथाम हेतु कड़े कानून बने हुए हैं किंतु बाल श्रम आज भी व्यापक रूप में फैल रहा है।

हाल ही में मैं एक होटल में दोपहर का खाना खाने गया था। जहाँ पर दस वर्ष के बच्चे से कार्य करवाया जा रहा था और उसे बहुत बुरी तरह से डाँटा जा रहा था उसकी गलती के लिए। आज जहाँ बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिये सरकार अपनी तरफ़ से प्रयासरत है वहीं दूसरी ओर समाज में यह समस्या जड़ पकड़ रही है।

उम्मीद है आप मेरी शिकायत की ओर ध्यान देते हुए उचित कार्यवाही करेंगी।

धन्यवाद

भवदीय

अ.ब.स.

अथवा

- (ii) नंदन भवन 6/11
भोपाल
दिनांक—11 मई 20xx
प्रिय आदरणीय बहन मीरा
सादर प्रणाम
पिताजी के टेलीफोन से अभी ज्ञात हुआ कि आपकी मेडिकल की परीक्षा निकट है और आप बहुत ही मेहनत व लगन से अपनी पढ़ाई में जुटी हुई हैं। दिन-रात एक

कर दिया है, ताकि आप अपना डॉक्टर बनने का सपना पूरा कर सकें। आपकी परीक्षा के लिए मैं आपको हृदय से बधाई देते हुए ईश्वर से आपकी सफलता के लिये प्रार्थना करूँगी ताकि आप अपना स्वप्न व लक्ष्य पा सकें।

मुझे पूरा विश्वास है कि आपकी मेहनत रंग लाएगी और परीक्षा में अच्छे अंकों से उत्तीर्ण होंगी तथा माँ-पिता का नाम रोशन करेंगी। शेष सारी बातें मिलने पर होंगी दीदी। आपकी छोटी बहन
मीनू

SECTION B

(20 marks)

(Answer questions from any two books that you have studied.)

साहित्य सागर (संक्षिप्त कहानियाँ)

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

- (i) 'बड़े घर की बेटी' पाठ में जब लाल बिहारी घर छोड़कर जा रहा था तब आनंदी द्वारा उसे रोकना उसकी समझदारी तथा दूरदर्शिता कैसे थी? समझाइए। [2]
(ii) 'भीड़ में खोया आदमी' पाठ में लेखक के मित्र ने छोटे से घर में रहने का क्या कारण बताया था? उनके कितने बच्चे थे? [2]
(iii) 'भेड़ें और भेड़िये' पाठ का उद्देश्य लिखिए। [3]
(iv) चित्रा की चित्रकारी के विषय में अरुणा के क्या विचार थे? क्या आप अरुणा के विचारों से सहमत हैं? [3]

- उत्तर (i) 'बड़े घर की बेटी' पाठ में लाल बिहारी जब घर छोड़कर जाने लगता है तब आनंदी उसका हाथ पकड़कर रोक लेती है ताकि संयुक्त परिवार बना रहे क्योंकि एकजुटता ही परिवार की शक्ति होती है। आनंदी स्वभाव से दयालु थी इसलिए वह अपने क्रोध को शांत कर देवर की गलती को माफ़ कर देती है तथा परिवार को अपनी समझदारी और दूरदर्शिता से टूटने से बचा लेती है।
(ii) 'भीड़ में खोया आदमी' पाठ में लेखक के मित्र ने छोटे-से घर में रहने का कारण बताते हुए कहा कि वह दो वर्ष पूर्व इस शहर में आया था। तभी से मकान की तलाश में भटक रहा था। शहर के चक्कर काट-काट कर जूते घिस गए। निराश होकर जब थक गया तब साल भर बाद मकान के नाम पर सिर छिपाने के लिए गली के अंदर यह छत मिली है। लेखक के मित्र के कुछ आठ बच्चे हैं—दो बड़े बेटे, दो छोटे बेटे, बड़ी बेटी जिसके विवाह हेतु लेखक हरिद्वार गए तथा तीन छोटी लड़कियाँ।
(iii) 'भेड़ें और भेड़िया' कहानी का उद्देश्य समाज के लोगों को जागृत करना है। जो भेड़ की तरह चलते हुए भेड़िया का शिकार हो जाते हैं और भेड़िया सिर्फ अपना फायदा

देखता है जिसके आसपास सियार जैसे चाटुकार भी मौजूद होते हैं, जो उन्हें फायदे के सुझाव सिर्फ इसलिए देते हैं ताकि उनका भी भला हो सके। पाठ में भेड़ आम जन का प्रतिनिधित्व करते हैं। सियार नेता के आसपास और समाज में फैले चाटुकार का तथा भेड़िया मौका परस्त नेतागण का प्रतिनिधित्व करता है। यह पाठ हमें देश राजनीतिक व्यवस्था जाग्रत करने का तथा अपने मत का सही प्रयोग करने का सन्देश देता है। राजनेता चुनाव जीतने के लिए तरह-तरह का प्रलोभन जनता को देते हैं। बाद में अपने वादों से मुकर जाते हैं। हमें अपने अधिकारों के प्रति सचेत रहना चाहिए।

- (iv) चित्रा ने जो चित्र बनाया था उसमें कुछ भी स्पष्ट नहीं था। चित्र में सड़क आदमी, ट्राम, बस मोटर सब एक-दूसरे पर चढ़े हुए थे जिसके चलते अरुणा ने उसे घुमाकर देखा और कहा कि किसी तरह समझ नहीं पा रही हूँ कि चौरासी लाख योनियों में से किस जीव की तस्वीर बनाई है। अरुणा को आधुनिक चित्रों की समझ न होने के कारण उसने यह वाक्य कहा था और हर वह व्यक्ति जिसे कला की समझ न होगी उसके लिए कुछ भी समझना असंभव है। अरुणा के इन विचारों से कला के मर्म को न समझने वाले सहमत अवश्य होंगे।

साहित्य सागर (पद्य)

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

- (i) 'मेघ आए' कविता में बूढ़े पीपल और लता को किस-किस का प्रतीक बताया गया है? [2]
(ii) सूरदास जी ने अपने पद में यशोदा माता द्वारा कृष्ण को सुलाने का वर्णन किस प्रकार से किया है? [2]
(iii) तुलसीदास जी की भक्ति किस प्रकार की थी? उन्होंने अपने राम की क्या-क्या विशेषताएँ बताई हैं और क्यों?

- (iv) 'चलना हमारा काम है' कविता का उद्देश्य लिखते हुए 'अवरुद्ध' तथा 'अभिराम' शब्दों का अर्थ भी लिखिए। [3]
- उत्तर (i) कवि ने 'मेघ आए' कविता में बूढ़े पीपल को बुजुर्ग का तथा लता को ग्रामीण स्त्री का प्रतीक बताते हुए किवाड़ खोलकर जिस प्रकार देर से अतिथि के आने पर उलाहना दिया जाता है, उसी प्रकार कवि ने भी कविता में प्रकृति के पेड़-पौधों का मानवीकरण करते हुए मेघ को दामाद की संज्ञा दी है जिसके आते ही प्रकृति का वातावरण हरित और प्रसन्नता से परिपूर्ण हो जाता है।
- (ii) सूरदास जी अपने पद में माता यशोदा द्वारा कृष्ण को सुलाने के प्रयत्नों का वर्णन करते हुए कहते हैं कि माता यशोदा कृष्ण जी को सुलाने हेतु कभी पालना हिलाती हैं तो कभी उन्हें लाड़ करती हैं और कभी लोरी गाकर सुलाने का प्रयास करती हैं।
- (iii) तुलसीदास जी की भक्ति दास्यभाव अर्थात् सेवक भाव से प्रेरित है। तुलसीदास जी की भक्ति भावना में लोक मंगल की भावना प्रबल होने के कारण उनके आराध्य प्रभु श्री राम शील, सौंदर्य और शक्ति तीनों गुण के सागर हैं। इसके साथ ही वे भक्तवत्सल, वीर, धीर, गंभीर व कोमलता के गुणों की खान हैं जिनकी कृपा मात्र से असंभव भी संभव हो जाता है।
- (iv) 'चलना हमारा काम' कविता में कवि का उद्देश्य लोगों को कर्म और लक्ष्य के प्रति प्रेरित करना है। कवि कहते हैं कि जब तक तुम अपने लक्ष्य या स्वप्न या सफलता को न पा लो तब तक निरंतर बिना रुके व थके चलते रहना अर्थात् अपना कर्म करते रहना चाहिए। फिर अपने लक्ष्य को पाने हेतु चाहे कितनी ही बाधाओं और कठिनाइयों का सामना क्यों न करना पड़े अतः समस्याओं से घबराए बिना निरंतर चलते रहना ही हमारा काम है।

एकांकी संचय

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

- (i) 'सूखी डाली' एकांकी में छोटी भाभी अपने घर के विषय में इन्दु से क्या-क्या कहती है? [2]
- (ii) 'सूखी डाली' नामक एकांकी में दादा जी प्रेम तथा घृणा के विषय में क्या-क्या कहते हैं तथा कौन-सा उदाहरण देते हैं? [2]
- (iii) 'दीपदान' नामक एकांकी में पन्ना धाय कौन है? वह उदय सिंह को उसके नाम के विषय में क्या कहकर बहलाती है? [3]
- (iv) 'दीपदान' एकांकी के शीर्षक की सार्थकता को स्पष्ट कीजिए। [3]

- उत्तर (i) 'सूखी डाली' एकांकी में छोटी बहू पढ़ी-लिखी एवं आधुनिक विचारों की महिला है। वह इंदु से अपने मायके की संपन्नता और तौर-तरीकों की बढ़ाई करती है तथा वह छोटी-छोटी बातों पर क्रोधित हो जाती है क्योंकि वह

- ससुराल के अनुसार अपने आपको ढाल नहीं पा रही है और न ही उसे अपने ससुराल के तौर-तरीके पसंद हैं।
- (ii) 'सूखी डाली' पाठ में दादाजी प्रेम और घृणा के विषय में यह कहते हैं कि घृणा को घृणा से नहीं वरन स्नेह से मिटाया जा सकता है। टूँटे वृक्ष का उदाहरण देते हुए वह कहते हैं कि आकाश छूने पर भी उसकी महानता का सिक्का मेरे दिलों पर उस समय तक नहीं बैठ सकता जब तक वह अपनी शाखाओं पर ऐसे पत्ते नहीं लाता जिसकी शीतल सुखद छाया मन के समस्त ताप को हर ले और जिसके फूलों की भीनी-भीनी खुशबू हमारे प्राणों में पुलक भर दे अर्थात् अभिमानी व्यक्ति चाहे सफलता की कितनी भी ऊँचाई को क्यों न छू ले जब तक नम्रता के गुण से अछूता है तब तक वह किसी के दिल में अपनी जगह नहीं बना सकता।
- (iii) पन्ना धाय खीचो जाति की राजपूतानी है जो कुँवर उदय सिंह की संरक्षिका है। कुँवर उदय सिंह जब दीपदान के वक्त पन्ना धाय से नाच देखने की जिद करते हैं तब पन्ना धाय उन्हें कहती हैं कि तुम बहुत अच्छे हो तथा चित्तौड़ के सूरज हो, महाराणा साँगा जी के छोटे कुँवर, सूरज की तरह तुम्हारा उदय हुआ है तभी तो तुम्हारा नाम कुँवर उदय सिंह रखा गया है। इस प्रकार वे कुँवर को उनके नाम से बहलाने का प्रयास करती हैं।
- (iv) एक एकांकी में मुख्य पात्र पन्ना धाय चित्तौड़ गढ़ के राजकुमार की संरक्षिका होने के नाते उनके प्राणों को तथा चित्तौड़ गढ़ के भविष्य को बनवीर से बचाने हेतु अपने पुत्र चंदन के प्राणों की आहुति हैंसते-हैंसते दे देती है अर्थात् अपने कुल के दीप का दान कुँवर के प्राणों को बचाने हेतु उत्सर्ग कर देती है इसलिये दीपदान एकांकी का शीर्षक पूर्णतः इसकी सार्थकता को व्यक्त करता है।

नया रास्ता

(उपन्यास)

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

- (i) मीनू ने विदेश जा कर बसने वाले भारतीय बुद्धिजीवियों के बारे में क्या-क्या विचार व्यक्त किए थे आप उन विचारों से कहाँ तक सहमत हैं? [2]
- (ii) अमित के एक्सीडेंट की बात सुनकर मीनू की मनःस्थिति का वर्णन कीजिए। [2]
- (iii) अमित का परिचय देते हुए उसके चरित्र की दो विशेषताएँ भी लिखिए। [3]
- (iv) मनोहर कौन है? उसे क्या हो गया था? उसकी यह स्थिति कैसे हुई थी? [3]
- उत्तर (i) मीनू ने विदेश जाकर बसने वाले बुद्धिजीवियों के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वह इसके पक्ष में नहीं है क्योंकि सरकार हमारी पढ़ाई पर कितना पैसा खर्च करती है और हम चंद पैसों की खातिर विदेशों में

जाकर बस जाते हैं और इस बात से हम सहमत हैं कि यदि सारे बुद्धिजीवी विदेश जाकर बस गए तो हमारे देश की प्रगति किस प्रकार होगी इसलिए बुद्धिजीवियों को चाहिये कि वे अपने देश की उन्नति में अपना सहयोग देकर देश व समाज के प्रति अपना कर्तव्य निभाते हुए देश को प्रगतिशील बनाएँ।

- (ii) अमित के एक्सीडेंट की बात सुनकर मीनू के मन में अमित के प्रति बसी घृणा ने स्नेह का रूप ले लिया और उसका मन अमित से मिलने के लिए आतुर हो उठा, जिससे वह पूर्ण रात्रि सो पाने में असमर्थ रही क्योंकि उसे यह महसूस हो रहा था कि उसके साथ जो कुछ भी हुआ उसके लिये अमित दोषी नहीं है।
- (iii) अमित साफ़ चरित्र का पुरुष था जो दिल ही दिल में मीनू को देखते ही चाहने लगा था और उसके साथ ही अपना पूर्ण जीवन बिताना चाहता था किंतु माता-पिता के समक्ष

वह अपनी बात रख पाने में असमर्थ था। शादी का रिश्ता टूट जाने से वह भी अंदर ही अंदर टूट जाता है किंतु कहते हैं कि पूरे विश्वास और दृढ़ संकल्प से किसी चीज़ की इच्छा हो तो वह आपको प्राप्त हो ही जाती है। इस प्रकार देर से ही सही अमित को मीनू का साथ जीवन भर के लिए प्राप्त हो जाता है। इस प्रकार अमित एक अच्छा बेटा और अच्छे जीवन साथी का चरित्र अपने आप में समेटे हुए पाठ में उभर कर आता है जो उसकी चारित्रिक विशेषता व गुण हैं जिससे मीनू को आजीवन के लिए एक अच्छा साथी व नया रास्ता मिल जाता है।

- (iv) मनोहर राजो का चचेरा भाई है जिसका एक पैर और सीधे हाथ की उँगलियाँ फ़ैक्ट्री में काम करते मशीन में आ जाने से कट गई हैं और अब वह बैसाखी के सहारे ही चल पाता है।